हवाई अड्डे के कोड

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

उत्तरप्रदेश के जेवर में निर्माणाधीन **नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे** को हाल ही में [इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन] (**IATA**) द्वारा विशिष्ट **अंतर्राष्ट्रीय तीन-अक्षर कोड 'DXN'** प्रदान किया गया है।

- **DXN** में '**D**' का आशय **दिल्ली**, '**N**' का आशय **नोएडा,** तथा '**X**' का आशय **विश्वभर से कनेक्टिविटी** से है।

हवाई अड्डे के कोड:

- **परिचय:**
  - हवाईअड्डे के कोड **विश्वभर के हवाईअड्डों के लिये विशिष्ट पहचान** के रूप में कार्य करते हैं। ये कोड, जिनका उपयोग **टिकट और बोर्डिंग पास से लेकर हवाई अड्डे के विभिन्न संकेतों** आदि पर किया जाता है, **एक सहज और निर्बाध यात्रा अनुभव के लिये काफी महत्त्वपूर्ण** हैं।
- **प्रकार:**
  - प्रत्येक हवाई अड्डे के वास्तव में दो विशिष्ट कोड होते हैं: एक **IATA द्वारा निर्दिष्ट** और दूसरा **संयुक्त राष्ट्र** की शाखा- [अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (International Civil Aviation Organization- ICAO)] द्वारा।

इन कोडों के अलग-अलग उद्देश्य हैं:

- **IATA कोड (तीन अंकों वाले कोड):**
  - इसे हवाई अड्डे की पहचान को मानकीकृत करने के लिये वर्ष 1960 के दशक में जारी किया गया था।
  - **यात्री-पहचान संचालन** के लिये इसका प्रयोग किया जाता है।
  - यह **टिकट, बोर्डिंग पास, साइनेज** और अन्य उपभोक्ता-संबंधित सामग्रियों पर दिखाई देता है।
  - उदाहरणों में **इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (दिल्ली)** के लिये **DEL और छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (मुंबई)** के लिये **BOM** कोड ज़ारी किये गए हैं।
- **ICAO कोड (चार अंकों वाले कोड):**
  - यह कोड पायलट, हवाई यातायात नियंत्रक और हवाईअड्डा योजनाकारों जैसे उद्योग पेशेवरों द्वारा उपयोग किया जाता है।
  - विमानन में सटीक संचार की सुविधा प्रदान करना।
  - उदाहरणों में इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (दिल्ली) के लिये कोड VIDP शामिल है।

इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (IATA):

- IATA विश्व की एयरलाइनों का व्यापार संघ है, जो लगभग 300 एयरलाइनों या **कुल हवाई यातायात का 83%** का प्रतिनिधित्व करता है।
  - इसकी स्थापना **अप्रैल 1945 में हवाना, क्यूबा** में हुई थी।
- **मुख्यालय:** मॉन्ट्रियल, कनाडा।

अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (International Civil Aviation Organisation- ICAO):

- वर्ष 1944 में **54 राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन पर अभिसमय** का मसौदा तैयार करने के लिये एक साथ आए, जिसे '[शिकागो अभिसमय]' के रूप में भी जाना जाता है।
- ICAO **4 अप्रैल 1947** को अस्तित्व में आया। **अक्तूबर 1947 में ICAO संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (UN Economic and Social Council- ECOSOC) की एक विशेष एजेंसी बन गई।**
  - भारत **ICAO के संस्थापक सदस्यों** में से एक है, जिसने वर्ष 1944 में शिकागो सम्मेलन में भाग लिया था।

- ICAO का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन योजना **के विकास को बढ़ावा देना है, ताकि विश्व भर में अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन का सुरक्षित और व्यवस्थित विकास सुनिश्चित किया जा सके।**
- **मुख्यालय:** मॉन्ट्रियल, कनाडा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/airport-codes